निवेश के लिहाज से छोटे जिले बड़ों से बेहतर

भूमि पूजन समारोह में हुए 8605 एमओयू में से 3480 में उत्पादन शुरू

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। भूमि पूजन समारोह में हुए कुल 8605 एमओयू में से 3408 प्रस्तावों ने मूर्तरूप ले लिया है। इन औद्योगिक इकाइयों में उत्पादन भी शुरू हो गया है। निवेश के लिहाज से देखें तो छोटे जिलों में निवेश की स्थिति बड़े जिलों से बेहतर है। इन्वेस्ट यूपी के मुताबिक 4600 निवेश प्रस्तावों को अभी धरातल पर उतरने का इंतजार है।

शासन भूमि पूजन समारोह में हुए एक-एक समझौते की गहन निगरानी कर रहा है। इसी आधार पर जिला उद्योग केंद्रों के प्रबंधकों और उद्यमी मित्रों के कामकाज की समीक्षा हो रही है।

समीक्षा में पता चला कि कुल निवेश प्रस्तावों में 1315 एमओयू ऐसे हैं जिनका क्रियान्वयन ही नहीं हुआ है। 66 समझौते अक्रियाशील हैं। 362 एमओयू ऐसे हैं जिसकी जिला उद्योग केंद्रों के पास कोई जानकारी ही नहीं है।

जमीन की उपलब्धता बड़ी वजह

निवेश के मामले में बड़े जिलों की स्थिति खराब है। छोटे जिलों में निवेश की स्थिति ज्यादा बेहतर है। गौतमबुद्धनगर, लखनऊ, गोरखपुर, गाजियाबाद, कानपुर नगर, जैसे बड़े जिलों की है। वहीं, कानपुर देहात, अंबेडकरनगर, अमेठी और बलिया जैसे छोटे जिलों का प्रदर्शन उम्मीद से काफी अच्छा है। सड़क व हवाई कनेक्टिविटी, लॉजिस्टिक्स और कुशल श्रम की उपलब्धता के साथ ही छोटे जिलों में औद्योगिक जमीन की उपलब्धता इसकी बड़ी वजह है।

निवेश में बड़े जिलों की स्थिति

जिला	एमओयू	शुरू	प्रतिशत
गौतमबुद्ध नगर	435	78	17.93
लखनऊ	296	103	34.80
गोरखपुर	286	78	27.27
गाजियाबाद	277	87	31.41
कानपुर नगर	236	19	8.05
वाराणसी	116	37	31.90

छोटे जिलों का प्रदर्शन

भदोही	78	50	64.10
गाजीपुर	92	69	75
महराजगंज	103	69	66.99
हरदोई	112	74	66.07
बस्ती	113	74	64.35
अंबेडकरनगर	213	157	73.71
अमेठी	146	101	69.18